

दैनिक

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेल्कम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 270

शुक्रवार, 09 अक्टूबर-2026 (गाजियाबाद)

पेज-8

मूल्य-एक रुपया

एसआईआर पक्ष में 42 रिटायर्ड जजों का देश के नाम ओपन लेटर, विपक्ष के प्रदर्शन को बताया लोकतंत्र पर हमला

वेल्कम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। गुरुवार को 42 पूर्व जजों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ चल रहे विरोध प्रदर्शनों पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि सीईसी को 'कठपुतली', 'चोर' और 'समझौतावादी' जैसे शब्दों से नवाजा जा रहा है, जिसे उन्होंने 'निहित राजनीतिक हितों से प्रेरित एक सुनियोजित अभियान' करार दिया। खुले पत्र में पूर्व जजों ने चुनाव कराने वाले अधिकारियों के खिलाफ अपशब्दों के इस्तेमाल और 'सत्ता परिवर्तन होने पर बदले की चेतावनी' दिए जाने पर कड़ी आपत्ति जताई थी। 42 पूर्व सैनिकों ने लिखा, 'पैसा लगत है कि यह निहित राजनीतिक हितों से प्रेरित एक सुनियोजित अभियान है, जिसमें दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को अस्थिर करने के संभावित विनाशकारी परिणामों की कोई परवाह नहीं है।' उन्होंने कहा कि ऐसी कोशिशों से लोगों का भरोसा कम होगा और जब 'वोट का कोई



मतलब नहीं रह जाएगा, तो सड़कों पर विरोध का बढ़ेगा।' कड़े शब्दों वाले इस पत्र में कहा गया है, 'अशांति की शुरूआत एक नैरेटिव से होती है। फिर अराजक और चरमपंथी तत्व उस खाली जगह पर कब्जा कर लेते हैं।

संवैधानिक संस्थाओं को

कमजोर करने की साजिश

रिटायर्ड जजों ने चुनाव आयोग, न्यायपालिका और दूसरी संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने के लिए चल रहे अभियान पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने बिना किसी सबूत के 'वोट चोरी' के आरोपों पर सवाल उठाए हैं साथ ही संवैधानिक अधिकारियों को

बार-बार 'चोर' और 'मिलीभगत वाला' बताने के खिलाफ चेतावनी दी है। पत्र में लिखा है, 'हम यह इसलिए लिख रहे हैं क्योंकि ऐसे समय में चुप रहना कोई न्यूट्रल विकल्प नहीं है। हमारी चिंता गंभीर है। भारत की संवैधानिक संस्थाओं पर लगातार हमले हो रहे हैं।' इसमें आगे कहा गया,

'इस हमले के केंद्र में भारत का चुनाव आयोग है। यहाँ तक कि उच्च न्यायपालिका, जिसका हम बहुत सम्मान करते हैं। जब आयोग शपथ-एजेंसियों को भी नहीं बख्शा गया है।' जजों ने जोर देकर कहा कि ऐसा लगता है कि यह निहित राजनीतिक हितों से प्रेरित एक सुनियोजित अभियान है, जिसमें दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को अस्थिर करने के संभावित विनाशकारी परिणामों की कोई परवाह नहीं की गई है।

जजों ने SIR का किया समर्थन

वोटर लिस्ट के 'स्पेशल इंटेसिव रिविजन' (SIR) का बचाव करते हुए, पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले जजों ने कहा कि यह कानूनी रूप से तय प्रक्रिया है, जिसका मकसद साफ और सही वोटर लिस्ट तैयार करना है। पत्र में चेतावनी दी गई है कि 'भरोसा ही लोकतंत्र की असली पूंजी है। इसमें कहा गया है कि चुनावों की वैधता पर

सवाल उठाने की कोशिशों से अशांति फैल सकती है और अराजक तत्वों को बढ़ावा मिल सकता है।

EVM पर सवालों का भी दिया जवाब

पत्र में लिखा है, 'वोट चोरी के आरोप प्रेस कॉन्फ्रेंस में लगाए जाते हैं, न कि अदालतों में।' जब आयोग शपथ-पत्र मांगता है, तो कोई भी इसे जमा नहीं करता। हारने के बाद ही इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (EVM) को दोषी ठहराया जाता है। उन्हीं मशीनों से मिली जीत पर कोई सवाल नहीं उठाया जाता। जो पार्टी पांच दशकों से ज्यादा समय तक देश पर शासन कर चुकी है, वही अब दावा कर रही है कि जिस सिस्टम ने उसे चुना, वही धांधली वाला है।' इसमें आगे कहा गया है, 'वे अकेले ऐसा नहीं करते। चुनिंदा मामलों में मुकदमेबाजी काल रिपोर्ट रखने वाले एक्टिविस्ट संगठन इन दावों को कानूनी रूप देने की कोशिश करते हैं।

आईएमसी में पीएम मोदी बोले, डिजिटल इंडिया से खत्म हुआ डिजिटल डिवाइड, हर जिले तक पहुंचा 5G

वेल्कम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'डिजिटल इंडिया' पहल को टेक्नोलॉजी के लोकतंत्रीकरण की दिशा में एक अहम कोशिश बताया। उन्होंने सरकार के इस लक्ष्य पर जोर दिया कि डिजिटल अंतर को खत्म किया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि आधुनिक टेक्नोलॉजी सिर्फ, साधन-संपन्न लोगों तक ही सीमित न रहे। 8 अक्टूबर को नई दिल्ली के यशोभूमि में 'इंडिया मोबाइल कांग्रेस' (IMC) के 10वें संस्करण को संबोधित करते हुए, पीएम मोदी ने कहा कि इस बदलाव में मोबाइल फोन की अहम भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया पहल के जरिए हमने इस स्थिति को बदलने का संकल्प लिया, जिसमें मोबाइल फोन इस बदलाव के केंद्र में रहा। यह टेक्नोलॉजी के लोकतंत्रीकरण की दिशा में एक बड़ी कोशिश रही है। उन्होंने माना कि भारत को डिजिटल अंतर (डिजिटल डिवाइड) की चुनौती का सामना करना पड़ा है, जहाँ आधुनिक तकनीक तक पहुँच मुख्य रूप से उन्हीं लोगों के लिए संभव थी जो इसका खर्च उठा सकते थे। उन्होंने कहा कि पिछले 10-12 वर्षों में, मोबाइल फोन न केवल आधुनिक संचार के साधन के रूप में, बल्कि सुशासन के एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में भी उभरा है। यह हमारे 'डिजिटल इंडिया' विजन के केंद्र में रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि सरकार ने टेलीकॉम सेक्टर में सुधार किए और तकनीक तक पहुँच को सभी के लिए सुलभ बनाने के लिए बुनियादी ढांचे का विस्तार किया। उन्होंने कहा कि हमने इस बात पर भी ध्यान केंद्रित किया कि मोबाइल फोन और अन्य टेलीकॉम हार्डवेयर का निर्माण भारत में ही हो।

वोट चोरी के विरोध में राजघाट पर इंडिया ब्लॉक का धरना, राहुल गांधी बोले- साजिश की मिलेगी सजा

वेल्कम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 8 अक्टूबर को घोषणा की कि INDIA गठबंधन के सांसद, वोटर लिस्ट के 'स्पेशल इंटेसिव रिविजन' (मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन) में कथित गड़बड़ियों को लेकर दिल्ली में गांधी स्मारक पर शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन करेंगे। विपक्षी सांसदों के विरोध-प्रदर्शन का यह लगातार तीसरा दिन है, इससे पहले 6 अक्टूबर को निर्वाचन सदन तक मार्च और 7 अक्टूबर को जंतर-मंतर के पास प्रदर्शन किया गया था। सांसद बस में सवार होकर राजघाट की ओर रवाना हुए। खड़गे ने कहा कि हम INDIA गठबंधन के सदस्य शांतिपूर्ण धरने के लिए गांधी मेमोरियल जा रहे हैं। हम वहाँ बैठकर प्रार्थना करेंगे कि BJP सरकार, खासकर प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को यह समझ आए कि उनके काम देश के हित में नहीं हैं। चाहे वोट चोरी का मुद्दा हो, बढ़ती महंगाई हो, युवाओं की समस्याएँ हों या उनके पैदा किए गए कोई और संकट हों, सब कुछ जनहित के खिलाफ है। उन्होंने आगे कहा कि इसीलिए हम प्रार्थना करने गांधी मेमोरियल जा रहे हैं, हम वह बताना



चाहते हैं कि वे उस आजादी को छीन रहे हैं जो हमें मिली थी—वह आजादी जो पंडित जवाहरलाल नेहरू, महात्मा गांधी और वल्लभभाई पटेल जैसे महान नेताओं ने हमें दिलाई थी—और वे इसे खत्म करने की हर कोशिश कर रहे हैं। वे हमसे वोट देने का अधिकार छीन रहे हैं। हम वहाँ यह प्रार्थना करने जा रहे हैं कि उन्हें यह समझ आए कि वे हमसे वे अधिकार और आजादी न छीनें—जिनमें वोट देने का अधिकार भी शामिल है—जो इन महान नेताओं ने हमें दिलाए थे। हम वहाँ बैठकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और फर प्रमुख मोहन भागवत पर एक

आपराधिक साजिश में शामिल होने का आरोप लगाया और कहा कि उन्हें सजा दिलाई जाएगी। उन्होंने कहा कि करीब 300 सांसद शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करना चाहते हैं। हमें पिछले दो दिनों से विरोध प्रदर्शन करने नहीं दिया जा रहा है। पहले दिन, उन्होंने हमें चुनाव आयोग के सामने रोका, अगले दिन हमें जंतर-मंतर के पास रोका गया। हमारे लोगों के साथ भारपीट की गई। असलियत यह है कि नरेंद्र मोदी, अमित शाह, ज्ञानेश कुमार और मोहन भागवत ने एक आपराधिक साजिश के जरिए भारत पर कब्जा कर लिया है, संविधान को बर्बाद कर दिया है और 'वोट चोरी' की है। कार्रवाई होगी, उन्हें सजा दिलाई जाएगी; यह हमारी गारंटी है।



वेल्कम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। 8 अक्टूबर को पटना में 'इंडिया' गठबंधन ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव भी शामिल हुए। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि पुलिस विपक्षी विधायकों को आगे बढ़ने से रोक रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने हमारे विधायकों को रोक दिया है। वे हमें आगे नहीं बढ़ने दे रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, ज्ञानेश कुमार और गृह मंत्री अमित शाह पर वोट की चोरी की साजिश रचने का आरोप लगाया। तेजस्वी यादव ने कहा कि हम आज राजभवन तक मार्च कर रहे हैं। हम यह मार्च इसलिए कर रहे हैं क्योंकि ज्ञानेश कुमार, पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने वोट की

चोरी की साजिश रची है और देश के लोकतंत्र को खत्म करने का काम किया है। हम उन साजिशकर्ताओं को सजा दिलाने की मांग के लिए आज मार्च कर रहे हैं जिन्होंने हमारे लोकतंत्र को खत्म करने की साजिश रची थी। यह विरोध प्रदर्शन 'स्पेशल इंटेसिव रिविजन' (SIR) प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग पर केंद्रित था। यह मार्च विपक्ष के उस अभियान का हिस्सा है जिसमें वोटर लिस्ट में खामियों का आरोप लगाया जा रहा है और चुनाव आयोग से ज्यादा परदर्शिता की मांग की जा रही है। इस बीच, पिछले दिन SIR में कथित गड़बड़ियों को लेकर ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध जताने के लिए जंतर-मंतर की ओर मार्च करने की कोशिश कर रहे INDIA गठबंधन के सांसदों को दिल्ली पुलिस ने रोक दिया।

मैड संधू हत्याकांड में 'शूटर' परमिंदर काका अहमदाबाद से गिरफ्तार, गोल्डी दिल्लीों गैंग से निकला कनेक्शन



वेल्कम इंडिया, नेटवर्क

अहमदाबाद। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच को पंजाब में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मैड संधू के हत्याकांड मामले में बड़ी सफलता मिली है। क्राइम ब्रांच की टीम ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। क्राइम ब्रांच के डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (अजीत राजिवन ने बताया कि आरोपी की पहचान परमिंदर काका उर्फ परमिंदर प्रसाद के तौर पर हुई है। वह गोल्डी दिल्लीों गैंग से जुड़ा था और उसने ही इन्फ्लुएंसर पर गोली चलाई थी। जाने-माने पंजाबी सोशल

मीडिया इन्फ्लुएंसर और मेकअप आर्टिस्ट मैड संधू की 3 अक्टूबर को पंजाब के अमृतसर में लोहारका रोड इलाके में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस के मुताबिक, लोहारका रोड पर मैड संधू कार वाशिंग सेंटर पर अपनी गाड़ी धुलवाने आए थे। इसी दौरान मोटरसाइकिल पर सवार दो नकाबपोश हमलावरों ने उन पर फायरिंग की। अपराध करने के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। मैड संधू को गोली लगने के बाद तुरंत पास के अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

सत्ता पीएम की होगी, पर सड़कें हमारी हैं...मंच पर धुव राठी, माइक पर दिपके का हुंकार

वेल्कम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर कांक्रोच जनता पार्टी द्वारा आहूत विरोध प्रदर्शन बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में शुरू हो चुका है। प्रदर्शन स्थल पर CJP के नेताओं के साथ अभिनेता व सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश राज और प्रसिद्ध यूट्यूबर ध्रुव राठी पहुंचे। कार्यक्रम की शुरूआत में SIR प्रक्रिया के तहत कथित तौर पर मतदाता सूची से नाम हटाए जाने से प्रभावित लोगों के वीडियो बयान (टेस्टिमोनियल) दिखाए गए। प्रदर्शन के दौरान एक 'पीपुल्स ट्रिब्यूनल' (जन अदालत) आयोजित किया जा रहा है, जिसमें कर्नाटक भर से आए लोग मतदाता सूची से गलत तरीके से नाम काटे जाने को लेकर अपनी समस्याएं और आपत्तियां दर्ज कराएंगे। आयोजकों के मुताबिक, इस जन सुनवाई के बाद



प्रतीकात्मक 'चप्पल प्रोटेस्ट' भी किया जाएगा। अभिनेता प्रकाश राज इस आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं, जबकि ध्रुव राठी को कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में शामिल किया गया है। प्रकाश राज द्वारा फ्रीडम पार्क आने के ऐलान के बाद ध्रुव राठी ने भी अपनी मौजूदगी की पुष्टि की थी। इसके अलावा CJP के संस्थापक अभिजीत दिपके, जेएनयू छात्र नेता आइशी घोष, नेहा बोरा समेत कई युवा और नागरिक संगठनों के प्रतिनिधि भी प्रदर्शन में शामिल हैं। CJP और उससे जुड़े सहयोगी संगठनों ने मांग की है कि SIR प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची से हटाए गए नामों के फैसले को तुरंत रद्द किया जाए और SIR से पहले वाली मतदाता सूची को बहाल रखा जाए। साथ ही, चुनावी प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों का आरोप लगाते हुए प्रदर्शनकारियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की भी मांग की है। दीपके ने कहा कि भले ही नरेंद्र मोदी के पास सत्ता हो, लेकिन

सड़कों पर हमारी पकड़ है। दीपके ने आगे कहा कि वोटों की चोरी क्यों हो रही है? 2024 में CJP और विपक्ष के बीच 2% का अंतर था। अब वे पूरे देश में 30 करोड़ वोट हटा रहे हैं। नरेंद्र मोदी के पास भले ही सत्ता हो, लेकिन सड़कों पर हमारी पकड़ है। हम यहीं से अपनी सत्ता वापस हासिल करेंगे। सीजेपी कर्नाटक ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर 'महिला एकजुटता मार्च' की घोषणा की है, जिसमें लोगों से अपनी चप्पलें साथ लाने को कहा गया है। पोस्ट में यह भी साफ किया गया है कि बाद में ये चप्पलें ज़रूरतमंद लोगों को दान कर दी जाएंगी। प्रकाश राज ने कहा कि आदिवासियों, गरीबों, मुसलमानों और अल्पसंख्यकों को वोट देने से रोका गया है। एक्टर और एक्टिविस्ट प्रकाश राज ने आगे कहा कि आदिवासियों, गरीबों, मुसलमानों और अल्पसंख्यकों को वोट देने से रोका गया है।

'अदालत के फैसले के खिलाफ', झारखंड डीजीपी की नियुक्ति के नियम को लेकर सुप्रीम कोर्ट की कड़ी टिप्पणी

वेल्कम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि झारखंड के डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस की नियुक्ति के नियम उसके पहले के फैसले के खिलाफ हैं। कोर्ट ने सीनियर आईपीएस अफसर तदशा मिश्रा से जवाब मांगा है, जिन्हें राज्य में पुलिस प्रमुख नियुक्त किया गया था। झारखंड की तरफ से पेश हुए सीनियर वकील कापिल सिबल ने चीफ जस्टिस सुर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच को बताया कि राज्य इन नियमों पर फिर से विचार करेगा। बेंच ने कहा कि वह मिश्रा को अपना जवाब दाखिल करने का मौका दे रही है, क्योंकि अगर नियम रद्द किए जाते हैं तो उन पर असर पड़ेगा। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में झारखंड के डायरेक्टर जनरल और इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (पुलिस फोर्स के प्रमुख) के चयन

और नियुक्ति के नियम, 2025 को चुनौती दी थी, जिन्हें राज्य सरकार ने 8 जनवरी, 2025 को नोटिफाई किया था। केंद्र की तरफ से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि केंद्र सरकार ने झारखंड सरकार को बार-बार बताया है कि उसके नियम सुप्रीम कोर्ट के प्रकाश सिंह फैसले के खिलाफ हैं और उन्हें बरकरार नहीं रखा जा सकता। उन्होंने कहा कि अगर किसी दूसरे राज्य ने भी ऐसे नियम बनाए हैं, चाहे सत्ता में कोई भी पार्टी हो, तो उन्हें हटाना ही होगा।

संपादक की कलम

बोरवेल के भीतर एक नर्हीं जान

डिज्जास्टर मैनेजमेंट के कंट्रोल रूम की मॉनिटर स्क्रीन पर लाल रंग का सेंसर सिग्नल कौंधा। जमीन के अस्सी फीट नीचे उतारे गए इम्फ्रेड एंडोस्कोपिक कैमरे ने एक हल्की सी हरकत दर्ज की थी। स्क्रीन पर धुंधला सा दृश्य उभरा, एक नन्हा सा हाथ, जो मिट्टी की दीवारों के बीच फंसा हुआ था। पुरे देश की नजरें उस स्क्रीन पर टिकी थीं। रहस्य यह था कि अस्सी फीट नीचे उस अंधेरे, दमघोड़ गड्ढे में क्या चार साल का चीकू अभी भी सांस ले रहा है? क्या वह इस बेरहम पाताल से जिंदा बाहर आ पाएगा? रोमांच चरम पर था। बाहर नेशनल मीडिया की दर्जनों ओबी वैन खड़ी थीं। कैमरों की बड़ी-बड़ी लाइटों ने उस उजाड़ खेत को किसी फिल्म के सेट में बदल दिया था। एंकर सीख-सीख कर बोल रहे थे, ‘ऑपरेशन चीकू : क्या होगा वमत्कार ? सांसों का लाइव काउंटडाउन!’ स्क्रीन पर 3डी एनिमेशन चल रहा था, जिसमें टिखिया जा रहा था कि कैसे आधुनिक तकनीक पाताल को चीरकर मासूम को बचा लेगी। प्रशासन का जवाब देखने लायक था। एसडीएम साहब ने धूप का चश्मा माथे पर अटकाया और माइक के सामने बोले, ‘हमारा रेस्क्यू ऑपरेशन विश्वस्तरीय है। हमने बोरवेल में ऑक्सीजन की सप्लाई चालू कर दी है और समानांतर सुरंग खोदने का मास्टर प्लान तैयार हो चुका है।’ लेकिन उस मास्टर प्लान के सामने एक छोटी सी तकनीकी अड़चन आ गई। पथरीली चट्टान को काटने वाली जो भारी होरिजेंटल ड्रिलिंग मशीन चाहिए थी, वह पास के जिले में खड़ी थी। समस्या यह थी कि उस मशीन को मौके पर लाने के लिए सरकारी ट्रेंजर से डीजल का विशेष आवंटन पास होना था। और चूँकि आज रविवार था, इसलिए ट्रेंजर का डिजिटल सर्वर अगले बारह घंटे के लिए मेटेनस पर था। यार, इस मुकद में जब कोई गरीब की आलाद किसी गड्ढे में गिरती है, तो सिस्टम सबसे पहले फाइल का वजन तलाता है। सईजन की जान सस्ती है, लेकिन सरकारी तेल के वाउचर का ऑडिट बहुत महंगा होता है। गड्ढे के मुहाने से दस कदम दूर, धूल में बैठी चीकू की माँ कोशल्या अपनी फटी साड़ी के पल्लू से छाती पीट रही थी। वह बार-बार गड्ढे की तरफ दौड़ती, ‘अरे कोई मेरी जान को निकालो... वो रो रहा है भीतर!’ लेकिन दो महिला सिपाहियों ने उसे मजबूती से पकड़ रखा था, ‘पीछे हटो अम्मा! रेस्क्यू एरिया में आम लोगों का प्रवेश वर्जित है। हमारा लाइव कैमरा फ्रैम खराब हो रहा है।’ सुबह के पांच बज गए। अचानक नीचे भेजे गए कैमरे की स्क्रीन पर एक आँडियो वेंव वमकी। मिट्टी की दरारों से एक बेहद धीमी, सुकन्ती हुई आवाज गुंजी, ‘मैं...अंधेरा है... डर लग रहा है...’ पूरे पंडाल में सन्नाटा खिंच गया। सोशल मीडिया पर हैशटैग ट्रेंड करने लगा। लोगों ने अपने ब्राइंड रूम में प्रार्थनाएं शुरू कर दीं। टीआरपी का ग्राफ आसमान छू रहा था। तभी ड्रिलिंग कंपनी के इंजीनियर ने हाथ खड़े कर दिए, ‘साहब, जब तक ऊपर से ई-साइन किया हुआ अनुमति पत्र नहीं मिलेगा, हम एक इंच आगे नहीं खोद सकते। अगर पायपलाइन डैमेज हो गई, तो रिकवरी हमारे वेतन से होगी!’ एसडीएम साहब ने बड़े दार्शनिक अंदाज में कहा, ‘नियमों का पालन ही लोकतंत्र की रीढ़ है। हम प्रक्रिया से बेबे हैं।’ प्रक्रिया चलती रही, फाइलें घुमती रही, और घड़ी की सुइयां आगे बढ़ती रही। सुबह के नौ बजे, जब अंततः डिजिटल अनुमति का प्रिंटाउट निकला और भारी मशीन का पहिया घूमा, तब तक नीचे कैमरे की स्क्रीन पर वह नन्हा हाथ एकदम थिरक हो चुका था। ऑक्सीजन मॉनिटर की हरी बत्ती लाल हो गई। जब पनड़ीआरफक के जवानों ने उस नन्हीं सी देह को बाहर निकाला, तो चीकू की आंखें हमेशा के लिए बंद हो चुकी थीं। उसके नन्हे होठों पर सूखी मिट्टी जमी थी और मुट्ठी में प्लास्टिक का एक छोटा सा खिलौना दबा था, जो वह अपने साथ नीचे ले गया था। एंकर ने तुरंत ब्रेकिंग न्यूज का टोन बदला, ‘दुखद खबर! चीकू जिंदगी की जंग हार गया।’

सतगुरु का प्रसाद

किशन भावनारी

कविता

सतगुरु के वचन हृदय में उतरकर,जीवन को सँवारते हैं, भटकी हुई राहों में प्रेम के दीपक,बनकर निखारते हैं।

न क्रोध की अग्नि रहने देते,न मन में कोई विषाद, शांति और प्रेम रूपी प्रसाद से,भर देते हैं हर सौंस।

सतगुरु की मीठी वाणी,मन का आँधियारा हरती है, टूटे हुए विश्वासों में,आशा की किरणें भरती है।

अहंकार की दीवारें ढहतीं,मिट जाता मन का अभिमान, वचनों की पावन वर्षा से,खिल उठता अंतर्मन-उपवन।

जहाँ सतगुरु का नाम गूँजे,वहाँ द्वेष ठहर नहीं पाता, प्रेम की निर्मल गंगा बहती,हर मन को निर्मल कर जाती।

क्षमा,दया और करुणा बनते,जीवन के सुंदर आभूषण, सतगुरु -वचन दिखाते हमको,सच्चे जीवन का अनुशासन

न धन माँगें,न वैभव माँगें,न दुनियाँ का कोई सम्मान, बस चरणों में प्रेम मिले और निर्मल हो जाए-भर-प्राण।

उनकी कृपा से भीतर जागे,सत्य-धर्म का पावन प्रकाश शांति मिले हर धड़कन को और प्रेम बने जीवन की साँस।

सतगुरु वचन प्रसाद हैं ऐसे,जो जन्म-जन्म की प्यास बुझाते हैं, मन के सूने आँगन में,प्रेम के फूल खिलाते हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित करारक ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी. सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। |संपादक : ललित शर्मा

सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

संपादकीय

नाना पाटेकर: अभिनय की आग में तपा असाधारण कलाकार



ललित गर्ग
लेखक

भारतीय सिनेमा में कुछ कलाकार ऐसे होते हैं, जिन्हें केवल अभिनेता कहना उनके व्यक्तित्व को सीमित कर देना है। नाना पाटेकर उन्हें विरल कलाकारों में से एक थे। वे अभिनेता थे, रंगकर्मी थे, निर्देशक थे, लेखक थे, सामाजिक सरोकारों से जुड़े संवेदनशील नागरिक थे और भारतीय सेना के प्रति गहरे सम्मान एवं समर्पण का उदाहरण भी थे। उनकी आवाज में खुरदुरापन था, संवादों में धार थी, आंखों में आक्रोश और चेहरे पर जीवन के संघर्षों की सच्चाई। उन्होंने अभिनय को सजावटी कला नहीं बनाया, बल्कि उसे यथार्थ जीवन के अनुभवों, पीड़ा, संघर्ष, संवेदना और सामाजिक चेतना से जोड़ा। 8 अक्टूबर 2026 को 75 वर्ष की उम्र में उनके निधन के साथ भारतीय सिनेमा ने एक ऐसा कलाकार खो दिया, जिसकी कोई दूसरी प्रतिकृति संभव नहीं है। वे अभिनय जगत के लिये एक अपरिहार्य नाम थे और ज्यादातर फिल्मप्रेमियों के लिये अजीब थीं।

नाना की फिल्म-प्रतिभा हमें चौंकाती रही है, रोमांचित करती रही है, उकसाती रही है, क्योंकि उनकी फिल्मों की सबसे बड़ी खूबी यह थी कि वे आम लोगों के जीवन की सच्चाई और उनके संघर्षों को प्रामाणिकता एवं जीवंतता के साथ प्रस्तुत करते रहे हैं। भारतीय जिंदगी के रंग बेशुमार हैं, कला-संस्कृति की अविस्मरणीय



संजीव ठाकुर
लेखक

भगवान बुद्ध ने इसी साहस,संयम और अनुशासन को संतुलन को मध्यम मार्ग के रूप में सामने रखा।उन्होंने अति-भोग और अति-कठोरता, दोनों से बचने की सीख दी। यह विचार आज भी उतना ही प्रासंगिक है। उपभोग की बढ़ती संस्कृति में संयम केवल व्यक्तिगत सद्गुण नहीं, बल्कि सामाजिक और पर्यावरणीय जिम्मेदारी भी है।

जरूरत और लालच के बीच का अंतर समझ लेना जीवन की सरल और मन को हल्का कर सकता है। संस्कृत का प्रसिद्ध वाक्य है- ‘शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्’, अर्थात शरीर ही सभी श्रेष्ठ कार्यों को पूरा करने का पहला साधन है।

महात्मा गांधी ने स्वास्थ्य को जीवन और सेवा से जोड़कर देखा। सादा भोजन, श्रम, स्वच्छता, नियमितता और आत्मसंयम उनके



एक समय था जब देश में कांग्रेस की सरकार थी। तब लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने पटना के गांधी मैदान से एक जन-आंदोलन शुरू किया। उद्देश्य था सरकारी कुशासन, बढ़ते भ्रष्टाचार, महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ शंखनाद करना।

लक्ष्य सिर्फ सरकार बदलना नहीं, बल्कि सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और नैतिक व्यवस्था में

धाराएं हैं, अनूठा एवं बेजोड़ इतिहास और उसकी कहानियां भी अनंत-अथाह। नाना का फिल्मी-युग भारत की खिड़की से विश्व को देखने एवं विश्व को भारत दिखाने की पहल का एक स्वर्णिम युग है। उन्होंने अपने किरदार से राष्ट्रीयता की भावना को भी सुदृढ़ किया। नाना का सफरनामा पूरी तरह मायूस हो चुके किसी भी ईसान के लिये प्रेरणादायी अध्याय भी है, उत्साह की मिसाल भी है। नाना पाटेकर का वास्तविक नाम विश्वनाथ पाटेकर था। उनका जन्म 1 जनवरी 1951 को महाराष्ट्र के मुरुड-जंजीरा में हुआ। बचपन सामान्य था, लेकिन किशोरावस्था में ही परिवार आर्थिक संकट में धिर गया। पिता का कारोबार डूब गया और महज 13 वर्ष की उम्र में नाना को परिवार की मदद के लिए काम करना पड़ा। वे स्कूल के बाद मुंबई में फिल्म पोस्टर रंगते थे और करीब 35 रुपये महीने कमाते थे। काम पर जाने के लिए उन्हें कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता था और बदले में एक वरु का भोजन भी मिलता था। गरीबी और अभाव ने उन्हें तोड़ा नहीं, बल्कि शीर से गढ़ा। बाद में उन्होंने स्वयं स्वीकार किया कि भूख और अपमान ने उन्हें जीवन को समझना सिखाया।

कला नाना के जीवन में आरंभ से थी। उन्होंने सर जे.जे. इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड आर्ट में शिक्षा ली और व्यावसायिक कलाकार के रूप में काम किया। लेकिन उनका वास्तविक विद्यालय था रंगमंच। मराठी रंगमंच की प्रख्यात निर्देशिका विजया मेहता के मार्गदर्शन में उन्होंने अभिनय की बारीकियां सीखीं। हमीदाबाईची कोठी जैसे नाटकों ने उन्हें गंभीर रंगकर्मी के रूप में पहचाना। रंगमंच ने उन्हें संवाद बोलना ही नहीं, बल्कि संवाद के पीछे छिपी भावना को जीना सिखाया। नाना के करियर की शुरुआत फिल्म ‘मामन’ से हुई थी लेकिन इंडस्ट्री में उन्हें फिल्म ‘परिंद’

जीवन का हिस्सा थे। उन्होंने शरीर को विलासिता का साधन नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम माना। उनका जीवन बताता है कि स्वास्थ्य केवल रोग से बचने का नाम नहीं; वह ऐसे जीवनशक्ति है, जो मनुष्य को अपने दायित्व निभाने योग्य बनाती है।

जीवन केवल सांसों के आने-जाने का नाम नहीं, बल्कि उन सांसों के बीच धड़कते अनुभवों, संघर्षों, आशाओं और सपनों की यात्रा है। इस यात्रा को सार्थक बनाने के लिए शरीर का स्वस्थ, मन का संयमित और जीवन का अनुशासित होना आवश्यक है। इसलिए यह कहना सार्थक है कि ‘स्वास्थ्य, संयम और अनुशासन जीवन का स्पर्दित संगीत है।’ जैसे संगीत अनेक स्वरों के संतुलन से मधुर बनता है, वैसे ही जीवन भी संतुलन से सुंदर और सार्थक होता है।

स्वास्थ्य जीवन की पहली पूंजी है। धन, पद और सुविधाएं मनुष्य को बहुत कुछ दे सकती हैं, लेकिन स्वस्थ शरीर और शांत मन नहीं खरीद सकती। जब शरीर स्वस्थ होता है तो साधारण क्षण भी आनंद देते हैं-सुबह की धूप, खुली हवा, पेड़ों की छांव या किसी अपने की मुस्कान। बीमारी इन छोटी खुशियों की चमक तक फीकी कर देती है। भारतीय चिंतन ने इस सत्य को बहुत पहले पहचान लिया था।

आज सुविधाएं बढ़ी हैं, लेकिन स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां भी बढ़ी हैं।



से नोटिस किया गया जिसमें उन्होंने खलनायक की भूमिका अदा की थी। इस फिल्म में उनके अभिनय के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का फिल्मफेयर पुरस्कार भी दिया गया। इसके बाद उन्होंने कई अच्छी फिल्मों में काम किया और अपने अभिनय का लोहा मनवाया।क्रांतिवीर, खामोशी, यशवंत, अब तक छपन, अपहरण, वेलकम, राजनीति उनकी प्रमुख फिल्मों में से एक हैं। शुरुआती वर्षों की निराशाओं के बावजूद उन्होंने अपनी राह नहीं छोड़ी। अंकुश और सलाम बॉम्बे! जैसी फिल्मों ने उनकी प्रतिभा को पहचान दिलाया।

इसके बाद नाना पाटेकर ने एक के बाद एक ऐसे किरदार निभाए, जिन्होंने हिंदी सिनेमा में अभिनय की एक अलग भाषा निर्मित की। ‘अंगार’ में उनका नकारात्मक किरदार, ‘तिरंगा’ में देशभक्ति से ओसप्रोत शिवाजी राव वागले, ‘क्रांतिवीर’ में प्रखर और विद्रोही प्रताप नारायण तिलक, ‘अग्निसाक्षी’ में जटिल मानसिकता वाला पात्र और ‘खामोशी: द म्यूजिकल’ में संवेदनशील पिता-हर भूमिका में वे बिल्कुल अलग दिखाई दिए। क्रांतिवीर के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार

लंबे समय तक बैठे रहना, अनियमित भोजन, देर रात तक जागना, अत्यधिक स्क्रीन समय और लगातार मानसिक दबाव आधुनिक जीवन का हिस्सा बन चुके हैं। हम थकान को उतेजना से और बेचैनी को मनोरंजन से ढकने की कोशिश करते हैं, जबकि शरीर को विश्राम और मन को शांति चाहिए। इसलिए स्वस्थ जीवन के लिए संतुलित भोजन, नियमित शारीरिक गतिविधि, पर्याप्त नींद और प्रकृति से जुड़ाव को दिनचर्या में स्थान देना होगा।

स्वास्थ्य के साथ संयम आवश्यक है। इच्छाएं मनुष्य के स्वभाव का हिस्सा हैं, लेकिन हर इच्छा की पूर्ति जरूरी नहीं। संयम इच्छाओं का दमन नहीं, उनका विवेकपूर्ण नियमन है। भोजन, धन, उपभोग, वाणी, क्रोध

से नोटिस किया गया जिसमें उन्होंने खलनायक की भूमिका अदा की थी। इस फिल्म में उनके अभिनय के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का फिल्मफेयर पुरस्कार भी दिया गया। इसके बाद उन्होंने कई अच्छी फिल्मों में काम किया और अपने अभिनय का लोहा मनवाया।क्रांतिवीर, खामोशी, यशवंत, अब तक छपन, अपहरण, वेलकम, राजनीति उनकी प्रमुख फिल्मों में से एक हैं। शुरुआती वर्षों की निराशाओं के बावजूद उन्होंने अपनी राह नहीं छोड़ी। अंकुश और सलाम बॉम्बे! जैसी फिल्मों ने उनकी प्रतिभा को पहचान दिलाया।

इसके बाद नाना पाटेकर ने एक के बाद एक ऐसे किरदार निभाए, जिन्होंने हिंदी सिनेमा में अभिनय की एक अलग भाषा निर्मित की। ‘अंगार’ में उनका नकारात्मक किरदार, ‘तिरंगा’ में देशभक्ति से ओसप्रोत शिवाजी राव वागले, ‘क्रांतिवीर’ में प्रखर और विद्रोही प्रताप नारायण तिलक, ‘अग्निसाक्षी’ में जटिल मानसिकता वाला पात्र और ‘खामोशी: द म्यूजिकल’ में संवेदनशील पिता-हर भूमिका में वे बिल्कुल अलग दिखाई दिए। क्रांतिवीर के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार

मिला, जबकि अग्निसाक्षी के लिए फिर राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित हुए। इस तरह वे तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार पाने वाले विशिष्ट अभिनेताओं में शामिल हुए। नाना की अभिनयशैली का सबसे बड़ा गुण था स्वाभाविकता के भीतर तीव्रता। वे संवाद को केवल बोलते नहीं थे, उसे जीते थे। उनकी आवाज कभी धीमी फुसफुसाहट बन जाती तो कभी विस्फोट की तरह फूटती। उनका चेहरा, आंखों की हरकत, हाथों का इस्तेमाल, अचानक आने वाला ठहराव और फिर तेज गति से निकलते संवाद-इन सबका अपना नाटकीय व्याकरण था। उनकी संवाद-अदायगी इतनी विशिष्ट थी कि साधारण वाक्य भी उनके मुह से निकलकर यादगार बन जाता था। वे संवादों को अभिनय से बड़ा नहीं होने देते थे, बल्कि अभिनय के माध्यम से संवाद को अर्थ देते थे।

नाना की लोकप्रियता का एक अलग अध्याय ‘वेलकम’ है। गंभीर और आक्रामक भूमिकाओं के लिए पहचाने जाने वाले नाना ने उदय शेड्डी के रूप में ऐसी कॉमेडी की कि नई पीढ़ी भी उनकी मुरीद हो गईं। उनका ‘कंट्रोल्, उदय, कंट्रोल्!’ जैसे संवाद और चेहरे के हावभाव आज भी लोकप्रिय संस्कृति का हिस्सा हैं। यह उनकी अभिनय-बहुमुखी प्रतिभा का

प्रमाण था कि जो कलाकार परिंदा और क्रांतिवीर में दर्शकों को भीतर तक हिला सकता था, वही वेलकम में उन्हें खुलकर हंसा भी सकता था। 2000 के दशक में ‘अब तक छपन’, अपहरण, शक्ति: द पावर, राजनीति जैसी फिल्मों में उन्होंने उम्र और अनुभव के साथ अपने अभिनय को और गहरा किया। अब तक छपन के पुलिस अधिकारी का किरदार हो या राजनीति में राजनीतिक संघर्षों के बीच खड़ा चरित्र-नाना हमेशा चरित्र की भीतरी बेवैनी को सामने लाते थे। मराठी सिनेमा में भी उन्होंने अपनी जड़ों को नहीं छोड़ा। ‘नटसम्राट’ (2016) में रंगमंच के दिग्गज कलाकार की भूमिका उनके करियर की सबसे मार्मिक प्रस्तुतियों में गिनी जाती है।

नाना केवल अभिनेता बनकर संतुष्ट नहीं थे। ‘प्रहार: द फाइनल अटैक’ का निर्देशन करके उन्होंने यह साबित किया कि उनके भीतर निर्देशक और लेखक भी मौजूद हैं। इस फिल्म को तैयारी के दौरान उन्होंने सेना का कठोर प्रशिक्षण लिया। आगे चलकर उनका भारतीय सेना से संबंध वास्तविक जीवन का हिस्सा बन गया। वे टेरिटरियल आर्मी से जुड़े और लेफ्टिनेंट कर्नल के मानद पद तक पहुंचे। 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान भी वे सैनिकों के साथ रहे। पद पर देशभक्ति का अभिनय करने वाले इस कलाकार ने वास्तविक जीवन में भी सैनिकों के बीच जाकर देश के प्रति अपना सम्मान व्यक्त किया। उनकी राष्ट्रीयता किसी नारे की तरह नहीं थी, उसमें कर्तव्य और संवेदना थी।तिरंगा, प्रहार और क्रांतिवीर जैसी फिल्मों में देश, समाज और नागरिक जिम्मेदारी के प्रश्न दिखाई देते हैं। वे देशभक्ति को केवल सीमा पर लड़ने वाले सैनिक की भावना तक सीमित नहीं मानते थे, बल्कि ईमानदारी से अपना काम करना, कमजोर के साथ खड़ा होना और समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाना भी

अवसर दिला सकती है, लेकिन अनुशासन उपलब्धि की स्थायित्व देता है। स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को लक्ष्य के प्रति जागरूक और कर्म के प्रति समर्पित होने का संदेश दिया। उनका आह्वान- ‘उठो, जागो और तब तक नहीं रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए’-निरंतर प्रयत्न और दृढ़ संकल्प का प्रतीक है।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का जीवन भी अनुशासन और परिश्रम की शक्ति का प्रेरक उदाहरण है। साधारण परिस्थितियों से निकलकर वैज्ञानिक और राष्ट्राध्यक्ष बनने तक की उनकी यात्रा बताती है कि बड़े सपनों को आकार देने के लिए अध्ययन, समय का सदुपयोग, निरंतर प्रयास और असफलताओं से सीखने का साहस चाहिए।

प्रतिभा तभी फलती है जब उसे अनुशासित श्रम का आधार मिले। अनुशासन का अर्थ केवल समय पर उठना या काम पूरा करना नहीं है। यह अपने समय, विचार, शब्द और व्यवहार को उद्देश्यपूर्ण बनाना है। विद्यार्थी के लिए नियमित अध्ययन, खिलाड़ी के लिए अभ्यास, कलाकार के लिए साधना और नागरिक के लिए कर्तव्यनिष्ठा-अनुशासन के अलग-अलग रूप हैं। इनके अभाव में प्रतिभा बिखर जाती है और ऊर्जा दिशाहीन हो जाती है।

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में

राष्ट्रसेवा का हिस्सा मानते थे। उनके व्यक्तित्व की दूसरी बड़ी विशेषता थी सादगी और सामाजिक प्रतिबद्धता। महाराष्ट्र के किसानों की समस्याओं और ग्रामीण संकट से वे गहराई से जुड़े। 2015 में उन्होंने अभिनेता मकरंद अनासपुरे के साथ नाम फाउंडेशन की स्थापना की, जिसका उद्देश्य किसानों और सूखा प्रभावित ग्रामीण परिवारों की सहायता करना था। उन्होंने राहत एवं सामाजिक कार्यों में आर्थिक सहयोग भी किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के निधन पर शोक व्यक्त किया कि वे एक सच्चे ‘क्रांतिवीर’ थे जिन्होंने सामाजिक बुराईयों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उनकी खामोशी उतनी ही असरदार थी जितनी उनकी दमदार आवाज। उन्होंने हमेशा देश-विरोधी तत्वों पर लगाम लगाने की वकालत की।

नाना पाटेकर की सबसे बड़ी खूबी यह थी कि उन्होंने स्टार बनने की कोशिश नहीं की, कलाकार बने रहे। वे ग्लैमर की दुनिया में रहते हुए भी अपनी जड़ों से कटे नहीं। गरीबी ने उन्हें संवेदनशील बनाया, रंगमंच ने अनुशासन दिया, फिल्मों ने व्यापक पहचान दी, सेना ने राष्ट्रबोध को मजबूत किया और सामाजिक कार्यों ने उनके भीतर के मनुष्य को जीवित रखा। उनके अभिनय की विरासत केवल पुरस्कारों में नहीं, उन पात्रों में है जिन्हें उन्होंने अमर कर दिया। परिंदा का अन्ना, क्रांतिवीर का प्रताप, तिरंगा का शिवाजी राव, अब तक छपन का पुलिस अधिकारी, नटसम्राट का गणपत बेलवलकर और वेलकम का उदय शेड्डी-ये सभी नाना के अलग-अलग चेहरे हैं, लेकिन इनके पीछे एक ही कलाकार है, जो अभिनय को दिखाता नहीं था, संवेदनशीलता के साथ जीता था। नाना पाटेकर का जीवन हमें यह संदेश देता है कि प्रतिभा अवसर की मोहताज नहीं होती।

सबसे जरूरी है कि हम कभी-कभी रुककर स्वयं से पूछें-क्या हम अपने शरीर के लिए समय निकाल रहे हैं? क्या हमारी इच्छाएं हमारी जरूरतों पर हावी हो गई हैं?

क्या व्यस्तता ने हमारी दिनचर्या को अव्यवस्थित कर दिया है? ऐसे प्रश्न अस्पृविधाजनक जरूर हैं, लेकिन आत्मसुधार की शुरुआत अवसर इन्हीं से होती है। परिवर्तन के लिए बड़े संकल्पों की आवश्यकता नहीं। नियमित चलना, संतुलित भोजन करना, पर्याप्त नींद लेना, कुछ समय मोबाइल से दूर रहना, क्रोध में प्रतिक्रिया देने से पहले ठहरना, अनावश्यक उपभोग से बचना और अपने समय का सम्मान करना-ये छोटी आदतें जीवन की दिशा बदल सकती हैं। अनुशासन कठोरता नहीं; अपने बेहतर भविष्य के प्रति वर्तमान की जिम्मेदारी है।

अंततः स्वास्थ्य हमें कर्म की शक्ति देता है, संयम सही चुनाव की बुद्धि और अनुशासन लक्ष्य तक पहुंचने की निरंतरता। इन तीनों का संतुलन मनुष्य को केवल सफल नहीं, बल्कि संवेदनशील और जिम्मेदार भी बनाता है। तब जीवन उपलब्धियों की सूची नहीं रहता; वह एक ऐसी यात्रा बन जाती है जिसमें हमारी ऊर्जा दूसरों के लिए भी उपयोगी होती है। स्वास्थ्य जीवन की धड़कन है, संयम उसकी लय और अनुशासन उसका संगीत है।

नवरात्रि से पहले चन्द्रिका देवी धाम पहुंचे डीएम

दानपेटी और मंदिर में हो रहे कार्यों पर मांगे दस्तावेज, क्षतिग्रस्त विद्युत तार चार दिन में दुरुस्त करने के निर्देश

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। आगामी नवरात्रि पर्व के दृष्टिगत जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय ने माँ चन्द्रिका देवी धाम का निरीक्षण कर मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधाओं, साफ-सफाई, विद्युत व्यवस्था, पेयजल, शौचालय तथा अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मिली कमियों पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं ग्राम प्रधान को समयबद्ध ढंग से कार्यवाही सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि धाम की व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान मंदिर के मुख्य द्वार पर हरिमंगल सिंह एडवोकेट द्वारा लगाई गई दानपेटी के संबंध में जिलाधिकारी ने ग्राम प्रधान से जानकारी ली। ग्राम



प्रधान ने बताया कि संबंधित व्यक्ति द्वारा मंदिर की कोई कमेटी गठित नहीं की गई है तथा दानपेटी में प्राप्त धनराशि का किस कार्य में उपयोग किया जाता है, इसकी भी जानकारी नहीं है। ये कुछ लोग दबंगई के बल पर मन्दिर में इस प्रकार की गतिविधि करते हैं। इस पर जिलाधिकारी ने तहसीलदार सदर को

निर्देशित किया गया कि मन्दिर परिसर में किये जा कार्यों का क्या आधार है इस सम्बन्ध में सम्बन्धित को नोटिस निग्त कर दस्तावेज प्राप्त करे तथा उन्हें अगले दिन प्रस्तुत करें। मंदिर परिसर में क्षतिग्रस्त टीनशेड को देखते हुए जिलाधिकारी ने ग्राम प्रधान को टीनशेड एवं स्टील नेट लगाए जाने की

अनुमतिन लागत का स्ट्रीमेट तैयार कर 10 अक्टूबर तक प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। परिसर में खराब हाईमास्ट लाइट की मरम्मत के लिए भी खर्च का स्ट्रीमेट तैयार कर निर्धारित तिथि तक प्रस्तुत करने को कहा गया। निरीक्षण के दौरान जर्जर एवं क्षतिग्रस्त विद्युत तार पाए जाने पर जिलाधिकारी ने संबंधित

अधिकारियों को इन्हें चार दिवस के भीतर दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। वहीं सांसद निधि से स्थापित वाटर कूलर बंद मिलने पर ग्राम प्रधान ने बताया कि स्टेप्लाइजर खराब होने के कारण वाटर कूलर संचालित नहीं हो रहा है। जिलाधिकारी ने पीडीडीआरडीए को आवश्यक कार्रवाई कर वाटर कूलर संचालित कराने तथा कृत कार्रवाई की आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मंदिर परिसर में शौचालय की मरम्मत के लिए ग्राम प्रधान एवं खण्ड विकास अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। इसके बाद जिलाधिकारी ने श्रद्धालुओं के स्नान के लिए बनाए गए सगरा (तालाब) का निरीक्षण किया। ग्राम प्रधान ने बताया कि यहां दशहरा पर्व पर रावण दहन एवं दशहरा मेले का आयोजन होता है। निरीक्षण में तालाब की

बाउंड्रीवाल क्षतिग्रस्त मिली। जिलाधिकारी ने खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि तालाब की बाउंड्रीवाल के निर्माण कार्य को क्षेत्र पंचायत योजना में सम्मिलित कर तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित कराएं। साथ ही स्नान सगरा (सगरा) के रंग-रोगन आदि कार्य मनरेगा योजना के अन्तर्गत दशहरा से पूर्व कराने तथा मंदिर परिसर में साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि धाम में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को दिए गए निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित कराने को कहा। जिलाधिकारी द्वारा चार दिवस के उपरान्त पुनः चन्द्रिका देवी धाम का निरीक्षण किया जाएगा।

हत्या के आरोप में नौ साल से फरार इनामिया दम्पति को पुलिस ने दबोचा



विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। कुण्डा कोतवाली अन्तर्गत नौ वर्ष पूर्व हुए एक विवाद और मारपीट की घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गयी थी जिसके आरोप में नामित दम्पति पर पच्चीस पच्चीस हजार का इनाम था को सर्विलांस की मदद से गिरफ्तार करने में पुलिस ने सफलता प्राप्त की है। कुंडा कोतवाली क्षेत्र के टिकरिया बुजुर्ग गाँव की रहने वाली एक महिला ने आरोप लगाया था कि उसके पति दुकानगये थे। जहां रुखसाना बानो उर्फ मुन्नी पत्नी मो. मुस्लिम, मो. मुस्लिम

पुत्र मो. मोहम्मद द्वारा उनके साथ मारपीट की गई, जिससे बाद उनकी मृत्यु हो गई। जिसकी शिकायत पर कुंडा पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज किया था। जिसके बाद दोनों फरार चल रहे थे। जिनपर प्रतापगढ़ पुलिस ने 25- 25 हजार का इनाम घोषित कर दिया था। आरोपी पुलिस से बचने के लिए लगातार फरार चल रहे थे। जिनकी गुरुवार को सर्विलांस सेल की सूचना पर कुंडा कोतवाल अरविंद कुमार सिंह, एसआई अंकित सिंह ने थाना क्षेत्र के शेखपुरा आशिक चौराहे के पास से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

भारतीय मंसूरी समाज ने मनाया कॉटन डे: नफीस अहमद



वेलकम इंडिया/नितिन शर्मा

नूरपुर। कॉटन डे के अवसर पर नूरपुर बिजनौर में कॉटन डे मनाया गया इस अवसर पर भारतीय मंसूरी समाज के प्रदेश महासचिव नफीस अहमद मंसूरी ने इस दिन को मंसूरी दिवस के रूप में मान्यता देने की सरकार से गुजारिश की, दिल्ली के जंतर मंतर पर भी इस मांग को मजबूती के साथ उठाया गया और सरकार से मांग की गई कि इस दिन को मंसूरी दिवस के रूप में मनाया जाये जिला

बिजनौर में भी इस मांग का ज्ञापन दिया गया। भारतीय मंसूरी समाज के सैकड़ों कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। पिछले कई सालों से 7 अक्टूबर को मंसूरी समाज कॉटन डे के रूप में इस दिन को मनाते आ रहे है। लेकिन इस दिन को मंसूरी समाज से नहीं जोड़ा गया था इस बार मंसूरी समाज के प्रदेश महासचिव नफीस मंसूरी ने इस मुद्दे को जोरशोर से उठाया और अपनी आवाज को सरकार तक पहुंचाया ज्ञापन के द्वारा इस आवाज को दिल्ली तक पहुंचाने का काम भी किया।

इस मौके पर भारतीय मंसूरी समाज के जावेद मंसूरी, इमरान मंसूरी, हाजी अहसन मंसूरी, शहर खान दिलशाद मंसूरी, नईम मंसूरी आदि लोगों ने हिस्सा लिया सभा के समापन पर सभी ज्ञापन देने भी नफीस मंसूरी के साथ साथ रहे, ये सभा बहुत कामयाब रही और सभी लोगों ने इस प्रस्ताव का समर्थन भी किया। ये मांग मान ली जाती है ,तो इसका सारा सिरे सिर्फ नफीस मंसूरी को ही जाएगा अंत में प्रदेश महासचिव नफीस मंसूरी ने सभी लोगों का शुक्रिया अदा किया।

मुख्य चुनाव आयुक्त की बर्खास्तगी व गिरफ्तारी की मांग को लेकर कांग्रेस का सत्याग्रह, रखा एक दिवसीय उपवास

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह

हापुड़। जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों ने गुरुवार को अतरपुरा चौराहा स्थित पंडित जवाहरलाल नेहरू की प्रतिमा स्थल पर सत्याग्रह करते हुए एक दिवसीय उपवास रखा। कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी एवं शहर अध्यक्ष इरफान अहमद के संयुक्त नेतृत्व में कांग्रेसजन सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक भूख हड़ताल एवं सत्याग्रह पर बैठे। कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड़ा तथा इंडिया गठबंधन के सांसदों के साथ पुलिस प्रशासन द्वारा किए गए व्यवहार की निंदा की। उन्होंने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की बर्खास्तगी और गिरफ्तारी की मांग को लेकर देशभर में कांग्रेस द्वारा सत्याग्रह



किया जा रहा है। शहर अध्यक्ष इरफान अहमद ने आरोप लगाया कि इंडिया गठबंधन के सांसदों को मुख्य चुनाव आयुक्त से मिलने के लिए चुनाव आयोग के कार्यालय जाने से पुलिस

प्रशासन के माध्यम से रोका जा रहा है। उन्होंने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड़ा के साथ कथित धक्कामुक्की की भी निंदा की। पूर्व विधायक गजराज सिंह ने कहा कि

लोकतंत्र में हर व्यक्ति को अपनी बात रखने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं को चुनाव के कथित 'वोट चोरी' को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त से जवाब मांगने का अधिकार है। कांग्रेस नेताओं ने 8 अक्टूबर को 'लोकतंत्र का काला दिवस' बताते हुए केंद्र सरकार के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराया। सत्याग्रह के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने 'रघुपति राघव राजा राम' और 'वैष्णव जन तो तेने कहिए' का गायन किया। इस दौरान पूर्व धौलाना विधानसभा प्रत्याशी पंडित अरविंद शर्मा, पूर्व शहर अध्यक्ष दिनेश चंद शर्मा, एजाज अहमद, पिलखुवा नगर अध्यक्ष रजनीश त्यागी, डॉ. शोएब, एडवोकेट रघुवीर सिंह, आईसी शर्मा, सुशील शास्त्री, मदन सिंह चौहान, नरेश भाटी, मानवी सिंह, यशपाल दीलोर सहित सैकड़ों कांग्रेसजन मौजूद रहे।

ताड़का की झांकी ने खींचा नगरवासियों का ध्यान, विश्वामित्र आगमन से पुष्प वाटिका तक सजी रामलीला

वेलकम इंडिया राजेंद्र सिंह

हापुड़। श्री रामलीला समिति (रजि.), हापुड़ के तत्वावधान में आयोजित श्री रामलीला महोत्सव वर्ष 2026-27 के अंतर्गत 8 अक्टूबर को रामलीला मैदान में भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण प्रसंगों का भव्य एवं भावपूर्ण मंचन किया गया। इससे पूर्व नगर में ताड़का की भव्य झांकी निकाली गई, जिसे देखने के लिए मार्ग में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। ताड़का वध के उपरांत उसके पुतले का दहन भी किया गया।रामलीला मंचन में विश्वामित्र आगमन, ताड़का एवं सुबाहु वध, अहल्या उद्धार, सियापति मिलन तथा पुष्प वाटिका-फुलवारी लीला का सुंदर मंचन किया गया। व्यास श्री पवन देव चतुर्वेदी के प्रभावशाली संवाद-वाचन और कलाकारों के सशक्त अभिनय ने पूरे



वातावरण को भक्तिमय बना दिया।व्यास श्री पवन देव चतुर्वेदी ने बताया कि विश्वामित्र मुनि के साथ प्रभु श्रीराम का वन गमन एवं यज्ञ की रक्षा का प्रसंग गुरु सम्मान, कर्तव्य और धर्म रक्षा का संदेश देता है। वहीं अहल्या उद्धार एवं देव नकारात्मक शक्तियों पर धर्म और सत्य की विजय का प्रतीक है। झांकी के माध्यम से

के माध्यम से मयार्दा, संस्कार और भारतीय संस्कृति के आदर्श मूल्यों को सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया गया। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि ताड़का के अत्याचार और प्रभु श्रीराम द्वारा उसके वध का प्रसंग अधर्म, अत्याचार एवं नकारात्मक शक्तियों पर धर्म और सत्य की विजय का प्रतीक है। झांकी के माध्यम से

समाज में व्याप्त बुराइयों के विरुद्ध एकजुट होकर धर्म एवं सदाचार के मार्ग पर चलने का संदेश दिया गया।कार्यक्रम के दौरान रामलीला मैदान में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं नगरवासी मौजूद रहे। श्रद्धालुओं ने जय श्रीराम के जयघोष के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन किया और भावपूर्ण लीलाओं का आनंद लिया। समिति ने नगरवासियों से आगामी कार्यक्रमों में भी अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर भगवान श्रीराम की आदर्श लीलाओं से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर श्री देवेन्द्र कुमार, रविंद्र गुप्ता, नरमे मल ठेंकरदार, विनोद कुमार वर्मा, उमेश अग्रवाल, शुभम गोयल, सुश्रव वशिष्ठ, नवीन गुप्ता, विमल वर्मा, प्रदीप सोनी, अंकुर अर्धम, अत्याचार एवं नकारात्मक शक्तियों पर धर्म और सत्य की विजय का प्रतीक है। झांकी के माध्यम से

तेंदुए के फर्जी वीडियो पर वन विभाग ने की शिकायत

वेलकम इंडिया संवाददाता

सिंभावली। गांव दत्तियाना के एक युवक ने बुधस्पतिवार को नवादा नहर पटरी के पास पास तेंदुए देखने का दावा किया। उसने सोशल मीडिया पर एक वीडियो प्रसारित किया। इसमें कार की रोशनी में तेंदुए सड़क पार करते दिख रहे थे। वीडियो वायरल होने पर वन विभाग की टीम सक्रिय हुई। उन्होंने युवक से संपर्क कर जानकारी ली। पुछताछ में सामने आया कि वीडियो सिंभावली क्षेत्र का नहीं था, बल्कि किसी बाहरी इलाके का पुराना था। वन विभाग ने इसे गंभीरता से लिया। फर्जी वीडियो प्रसारित करने और गलत सूचना देने के आरोप में सिंभावली थाने में तहरीर दी है। वनक्षेत्राधिकारी करन सिंह ने शिकायत दर्ज होने की पुष्टि की। सीओ राहुल यादव ने बताया कि तहरीर पर जांच होगी। तथ्य सामने आने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

किसानों की समस्याओं को लेकर भाकियू टिकैत ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़/गढ़मुक्तेश्वर। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के पदाधिकारियों एवं किसानों ने तहसील गढ़मुक्तेश्वर में किसानों की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर उप जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। किसानों ने समस्याओं का शीघ्र समाधान न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी। ज्ञापन में किसानों ने बताया कि गढ़मुक्तेश्वर का मेरठ रोड लंबे समय से जर्जर हालत में है। बारिश के कारण सड़क के गड्ढों में पानी भरने से आवागमन प्रभावित हो रहा है और आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। इसके अलावा सड़कों पर अवैध रूप से धान खरीदने और ट्रकों को खड़ा कर ओवरलोडिंग किए जाने से जाम की स्थिति बनी रहती है, जिससे एंबुलेंस समेत अन्य वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। किसानों ने आवारा पशुओं की समस्या को भी गंभीर बताते हुए कहा कि पशु फसलों को नुकसान पहुंचाने के साथ सड़कों पर दुर्घटनाओं



का कारण बन रहे हैं। कई बार शिकायत और ज्ञापन देने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ है। किसानों ने विद्युत विभाग पर उल्टीड़न, अवैध वसूली, विद्युत कटौती तथा तालाबों और नालों की सफाई कराने की मांग की। इसके साथ ही गढ़ खादर क्षेत्र में बाहरी लोगों द्वारा कथित रूप से किए जा रहे अवैध कूड़ा डंपिंग को हटवाने की भी मांग की गई। भाकियू टिकैत ने चेतावनी दी कि यदि किसानों

ने अतिवृष्टि से बर्बाद हुई धान की फसल का उचित मुआवजा दिलाते, डीएपी व यूरिया खाद की किल्लत दूर कराने, गांवों में सफाई अभियान चलाने, तालाबों से अतिक्रमण हटाने तथा तालाबों और नालों की सफाई कराने की मांग की। इसके साथ ही गढ़ खादर क्षेत्र में बाहरी लोगों द्वारा कथित रूप से किए जा रहे अवैध कूड़ा डंपिंग को हटवाने की भी मांग की गई। भाकियू टिकैत ने चेतावनी दी कि यदि किसानों

की समस्याओं का जल्द समाधान नहीं कराया गया तो संगठन आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। इस मौके पर सब्बू चौधरी पूर्व मंडल उपाध्यक्ष, नवदीप सिंह तहसील अध्यक्ष, धर्मवीर सिंह तहसील महासचिव, सतनाम सिंह तहसील मीडिया प्रभारी, बलप्रीत सिंह ग्राम अध्यक्ष, करनैल सिंह, अजैब सिंह, गुरप्रीत सिंह, संदीप सिंह, प्रदीप सिंह समेत अन्य किसान मौजूद रहे।

हापुड़। अपराध की रोकथाम और वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत जनपदीय स्वाट टीम और थाना हापुड़ देहात पुलिस ने बुधवार को संयुक्त कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित पुरानी करंसी के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आरोपी के कब्जे से वर्ष 2016 की नोटबंदी के दौरान चलन से बाहर किए गए 500 और 1000 रुपये के कुल 1 करोड़ 44 लाख रुपये के नोट बरामद किए गए हैं। पुलिस ने मौके से घटना में प्रयुक्त अपाचे मोटरसाइकिल भी कब्जे में ली है। पुलिस के मुताबिक संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को एनएच-9 सर्विस रोड पर श्री जी पेट्रोल पंप के सामने मेरठ बाईपास गोल चक्कर के पास से गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित पुरानी करंसी बरामद हुई। इसके अलावा पुलिस ने अपाचे



मोटरसाइकिल संख्या यूपी 14 बीवाई 0966 भी बरामद की। गिरफ्तार आरोपी की पहचान देवेन्द्र रुहेला पुत्र सतपाल सिंह, निवासी मकान नंबर 431, ग्राम पंचलोक, थाना लोनी, जनपद गाजियाबाद, हाल निवासी फ्री होल्ड, लाल बिल्डिंग वाले स्कूल के पास, थाना नन्दग्राम, जनपद गाजियाबाद के रूप में हुई है। पुलिस पुछताछ में आरोपी ने बताया कि वह लोगों से संपर्क कर उन्हें नई करंसी के बदले अधिक रकम देने का लालच देकर प्रतिबंधित पुरानी करंसी उपलब्ध

कराने के नाम पर धोखाधड़ी करता था। इस काम के बदले उसे कमीशन मिलने की बात भी आरोपी ने पुलिस को बताई है। पुलिस अब आरोपी से पुछताछ के आधार पर इस पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है। इतनी बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित करंसी उसके पास कहां से आई और इसके पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं, इसकी भी जांच की जा रही है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई शुरू कर दी है और मामले की आगे की जांच

हमारे पंचायत प्रतिनिधि लोकतंत्र की सबसे मजबूत कड़ी हैं: सीएम धामी

पंचायत प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण से जोड़ने और गांवों को आत्मनिर्भर बनाने पर दिया गया जोर

वेलकम इंडिया/ओ.पी. उनियाल

देहरादून/हरिद्वार। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरिद्वार में आयोजित त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधि संवाद एवं विकास संकल्प सेवा सेतु सम्मेलन में पंचायत प्रतिनिधियों की संबोधित करते हुए कहा कि उत्तराखंड की 70 प्रतिशत से अधिक आबादी गांवों में निवास करती है और पंचायत प्रतिनिधि लोकतंत्र की सबसे मजबूत कड़ी हैं। उन्होंने कहा कि सशक्त उत्तराखंड का रास्ता सशक्त गांवों से होकर गुजरता है। गांवों का विकास राज्य सरकार की प्राथमिकता है और इसमें पंचायत प्रतिनिधियों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के 60 हजार से अधिक त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों को क्षमता विकास



प्रशिक्षण से जोड़ा जा रहा है। इसका उद्देश्य पंचायत प्रतिनिधियों को आधुनिक जानकारी और बेहतर कार्यकुशलता से लैस करना है, ताकि वे अपनी ग्राम पंचायतों के विकास को नई गति दे सकें। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे

ग्रामीणों के साथ मिलकर अपनी ग्राम पंचायतों को स्वच्छ, सुंदर, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों का विकास केवल सरकारी योजनाओं से संभव नहीं है, बल्कि इसमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों



और ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी भी जरूरी है। पंचायत प्रतिनिधि सरकार और ग्रामीण जनता के बीच महत्वपूर्ण सेतु की भूमिका निभाते हैं। उनके बेहतर प्रशिक्षण और कार्यकुशलता से विकास योजनाओं का लाभ अधिक प्रभावी तरीके से

गांवों तक पहुंचाया जा सकता है। हरिद्वार में आयोजित सातवें 'इंडस्ट्रियल समिट एंड एक्सपो-2026' में भी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विभिन्न कंपनियों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया और बड़ी संख्या में मौजूद उद्यमियों



को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में निवेश को बढ़ावा देने और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम यानी एमएसएमई क्षेत्र को मजबूत करने के लिए राज्य सरकार निरंतर काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि उद्यमियों

को सरल प्रक्रियाएं, बेहतर सुविधाएं और अनुकूल कारोबारी वातावरण उपलब्ध कराया जाए। इससे प्रदेश में नए उद्योगों की स्थापना को बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय उत्पादों को बेहतर बाजार मिलेगा और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड आज निवेश और उद्यमिता के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश की नीतियों, प्राकृतिक संसाधनों और कुशल मानव संसाधन की क्षमता का बेहतर उपयोग करते हुए राज्य को उद्योगों के लिए भरोसेमंद और आकर्षक गंतव्य बनाने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता विकास के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाना और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। पंचायतों को सशक्त बनाने और उद्योगों को प्रोत्साहित करने की इन पहलों के माध्यम से ग्रामीण विकास तथा रोजगार के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है।

परियोजना अधिकारी ने फरह में ‘सेवा सेतू अभियान’ कैम्प लगाया



वेलकम इंडियासंवाददाता

मथुरा। परियोजना अधिकारी एस्के वर्मा ने अवगत कराया है कि फरह ब्लॉक में ‘सेवा सेतु अभियान’ के तहत एक कैम्प लगाया गया। कैम्प में पीएम सूर्य घर योजना की जानकारी प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त सोलर चक्की हेतु सीएम युवा योजना के अंतर्गत ऋण लेकर लगाने के संबंध में जानकारी दी

गई। योजना के अंतर्गत रुपये 108000 की छूट भारत सरकार एवम उग्र सरकार द्वारा दी जा रही है। कैम्प के अलावा, फरह स्थित दीनदयाल धाम में आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव मेला 2026 का दौरा किया गया। इस मौके पर कई गणमान्य व्यक्ति और आम लोग मौजूद थे, जिनमें परियोजना अधिकारी एस्के वर्मा, आरईसी

परियोजना प्रतिनिधि इंजीनियर अखिलेश कुमार, ‘निःशुल्क ऊर्जा सोलर’ वेंडर के विनय पचौरी व उनकी पूरी टीम तथा शिक्षा विभाग की टीम शामिल थी। इस मेले के कार्यक्रम में 6 लोगों का पंजीकरण किया गया। कैम्प में उपस्थित सभी लोगों को सौर ऊर्जा के बारे में जानकारी दी गई और सौर ऊर्जा को ज्यादा से ज्यादा अपनाने पर जोर दिया गया।

युवक के साथ लाठी-डंडों और तलवार से मारपीट का आरोप

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांथला। थाना क्षेत्र के गांव नाला में पैसे देने गए युवक के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। घायल युवक के भाई ने थाने में तहरीर देकर तीन लोगों पर मारपीट करने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। जनपद बागपत के कस्बा खेकड़ा निवासी अंकुर पाल ने गुरुवार को थाने पर तहरीर देकर बताया कि उसका भाई हर्ष पाल पुत्र राकेश पाल विगत रात्रि को गांव नाला स्थित वाल्मीकि मंदिर के पास एक युवती के फोन पर पैसे देने आया था। आरोप है कि गांव में पहुंचते ही युवती के परिजनों ने घेर लिया और लाठी-डंडों, तलवार तथा लात-घूंसा से मारपीट की। मारपीट में उसका भाई गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसका मेरठ अस्पताल में उपचार चल रहा



है। पीड़ित के भाई ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस तहरीर के आधार पर मामले की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

साइड मांगने को लेकर दो पक्षों में मारपीट, वीडियो वायरल, मुकदमा दर्ज गिरफ्तारी की हुई मांग



वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांथला। कस्बे के युनिक इंटर कॉलेज के पास सागाटेड़ा निवासी सरवर पुत्र जाह्नद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह कार मे सवार होकर परिवार के साथ गढ़ी दौलत में रिश्तेदारी में हुई मौत में शामिल होने आया था। वापस लौटते समय कस्बे के युनिक इंटर कॉलेज के पास उसकी स्विफ्ट कार के सामने स्कॉर्पियो गाड़ी आ गई। हॉर्न बजाने और साइड मांगने पर विवाद हो गया। आरोप है कि स्कॉर्पियो का तलाश शुरू कर दी है पीड़ित परिजनों ने थाने पहुंचकर

आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। सहारनपुर जनपद के गंगोह थाना क्षेत्र के गांव सागाटेड़ा निवासी सरवर पुत्र जाह्नद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह कार मे सवार होकर परिवार के साथ गढ़ी दौलत में रिश्तेदारी में हुई मौत में शामिल होने आया था। वापस लौटते समय कस्बे के युनिक इंटर कॉलेज के पास उसकी स्विफ्ट कार के सामने स्कॉर्पियो गाड़ी आ गई। हॉर्न बजाने और साइड मांगने पर विवाद हो गया। आरोप है कि स्कॉर्पियो सवार स्फ़ियान, आदिल, अमन और कुछ अज्ञात लोगों ने सरवर,

सलमा, मनव्वर के साथ लात-घूंसा से मारपीट की और कार में तोड़फोड़ कर दी। मारपीट के दौरान सलमा के कान से बूंद भी कही गिर गए पुलिस ने पीड़ित व्यक्ति की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर वायरल वीडियो के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। गुरुवार को थाने पहुंचे पीड़ित परिजनों ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया जल्दी आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।



युवक से मारपीट का आरोप, सीसीटीवी हुई फुटेज वायरल



मोहसिन रहमानी/वेलकम इंडिया

कांथला। कस्बे के मोहल्ला खेल निवासी एक महिला ने कई युवकों पर अपने बेटे के साथ मारपीट करने का आरोप लगाया है। महिला ने घटना का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। गुरुवार को वायरल हुए वीडियो में पीड़िता बबीता पत्नी प्रदीप ने बताया कि उसका पुत्र रमन विगत तीन अक्टूबर को मोहल्ले से होकर जा रहा था। इसी दौरान कुछ

युवकों ने उसे पकड़ लिया और उसके साथ मारपीट की। मारपीट की पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। महिला का आरोप है कि घटना को कई दिन बीत जाने के बावजूद आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। उसने सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल कर पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई और गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और आरोपियों की तलाश में कार्रवाई जारी है।

संत रमेश बाबा को श्रद्धांजलि देने 12 अक्टूबर को जुटेगा देश-विदेश का भक्त समुदाय

गहवर वन स्थित रस मंडप में होगी श्रद्धांजलि सभा

मनोज शर्मा/वेलकम इंडिया

मथुरा/बरसाना। ब्रज के विरक्त रसिक संत एवं पद्मश्री रमेश बाबा महाराज के गोलोकवास के बाद उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए 12 अक्टूबर, सोमवार को गहवर वन स्थित रस मंडप में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की जाएगी। दोपहर दो बजे से शाम पांच बजे तक होने वाली सभा में देश-विदेश से संत-महात्मा, अनुयायी और श्रद्धालु पहुंचकर अपने आराध्य संत को श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे। बाबा के गोलोकवास के बाद से ही बरसाना में उनके अनुयायियों के पहुंचने का सिलसिला जारी है। देश के विभिन्न राज्यों के साथ विदेशों में रहने वाले बाबा के भक्त भी श्रद्धांजलि सभा में शामिल होने के लिए ब्रजभूमि पहुंचने



की तैयारी कर रहे हैं। मान मंदिर के कार्यकारी अध्यक्ष राधाकांत शास्त्री के अनुसार संत रमेश बाबा ने अपना पूरा जीवन श्रीराधारानी की भक्ति, गोसेवा, ब्रजभूमि की सेवा तथा ब्रज की प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के लिए समर्पित किया। उनके निधन को संत समाज और ब्रज के

लिए अपूरणीय क्षति माना जा रहा है। बाबा के अंतिम दर्शन और श्रद्धांजलि को लेकर जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी का मुद्दा भी चर्चा में है। कुछ लोगों का कहना है कि संत समाज की अपनी महत्वपूर्ण भूमिका है और ऐसे अवसरों पर जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति श्रद्धालुओं की भावनाओं के सम्मान का प्रतीक होती है। चर्चा में यह सवाल भी उठाया जा रहा है कि जब संतों और सनातन परंपरा के सम्मान की बात की जाती है, तो संत समाज के प्रमुख व्यक्तित्व के निधन पर भी उसी संवेदनशीलता का सार्वजनिक रूप से प्रदर्शन होना चाहिए। इसे किसी राजनीतिक दल या व्यक्ति के विरोध के बजाय संत समाज के प्रति सम्मान और संवेदनशीलता से जोड़कर देखा जा रहा है।

महाराजा अग्रसेन जयंती पर के उपलक्ष्य में निःशुल्क कृत्रिम अंग वितरण एवं नेत्र चिकित्सा शिविर

मनोज शर्मा/वेलकम इंडिया

मथुरा। श्री अग्रवाल सभा (रजि.) , मथुरा एवं कल्याण करोति, मथुरा के संयुक्त तत्वावधान में श्री महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव के अवसर पर ‘निःशुल्क कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम शिविर’ का आयोजन 09 अक्टूबर 2026 को किया जाएगा। कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम स्व. श्री दाऊदयाल जी कसेरे एवं श्रीमती कमला देवी अग्रवाल जी की पुण्य स्मृति में महेश चन्द्र कसेरे (साड़ी वाले) एवं शोभित अग्रवाल, महेश टेक्सटाइल्स के शाने पहुंचे पीड़ित परिजनों ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया जल्दी आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

राजस्थान ज्वैलर्स, मथुरा के सौजन्य से निःशुल्क नेत्र जांच एवं चिकित्सा शिविर समय प्रातः 0:900 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक श्री तिलकद्वार अग्रवाल धर्मशाला, होली गेट, मथुरा पर आयोजित किया जाएगा। ऑपरेशन हेतु चयनित नेत्र रोगी अपने साथ पहचान पत्र की छायाप्रति, मोबाइल नंबर अवश्य लेकर आए। शिविर में मोतिदाबिंद, नाखूना, परवाल, कालापानी (ग्लूकोमा) सहित विभिन्न नेत्र रोगों की जांच एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा परामर्श दिया जाएगा। जरूरतमंद मरीजों के लिए मोतिदाबिंद ऑपरेशन, लेंस, आवश्यक दवाएं एवं चश्मे की व्यवस्था भी की जाएगी। नेत्र रोगियों के ऑपरेशन कल्याण करोति नेत्र संस्थान, जचौदा, गोवर्धन रोड, मथुरा में किए जाएंगे। आयुष्मान कार्ड, विभिन्न टीपीए एवं बीमा कंपनियों के कार्डधारकों के लिए कैशलेस सुविधा भी उपलब्ध रहेगी।

गेट बंद सोसाइटी में फौजी के फ्लैट पर चोरों का धावा, लाखों की चोरी

मथुरा। चूंदावन की गेट बंद कान्हा माखन वाटिका सोसाइटी में फौजी के सात दिन से बंद फ्लैट का ताला तोड़कर चोर ढाई लाख रुपये नकद और लाखों के आभूषण ले गए। सोसायटी में चौकीदार और ऊंची बाउंड्री होने के बावजूद चोरी से सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हुए हैं; पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। रक्षिमणी विहार स्थित गेट बंद हाउसिंग सोसायटी में फौजी के बंद फ्लैट से लाखों रुपये कीमत के गहने और नकदी चोरी हो गई। पड़ोसियों की सूचना पर लौटी पनो की शिकायत पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने सोसायटी में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगालना शुरू कर दिया है। रक्षिमणी विहार क्षेत्र स्थित कान्हा माखन वाटिका गेट बंद हाउसिंग सोसाइटी में सोमवार की आधी रात को चोरों ने धाम 6 अपार्टमेंट के बंद फ्लैट 504 को निशाना बनाया। सेना में तैनात बकिबिहारी गौड़ के फ्लैट में चोर ताले तोड़ कर दाखिल हुए।

जीआरपी ने 15 घंटे में चोरी का खुलासा कर आरोपी को पकड़ा



शामली (वेलकम इंडिया)। शहर के रेलवे स्टेशन पर यात्री का बैग चोरी होने के मामले का जीआरपी पुलिस ने महज 15 घंटे में खुलासा कर दिया। पुलिस ने चोरी के मोबाइल समेत आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, गांव पलढेड़ी निवासी नईम ने विगत सात अक्टूबर को तहरीर देकर बताया था कि स्टेशन पर उसका बैग चोरी हो गया। बैग में कपड़े, वीवी मोबाइल और अन्य सामान रखा था। मामले में जीआरपी शामली ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। गुरुवार को थानाध्यक्ष पुष्पेंद्र कुमार नागर ने

घटना के खुलासे के लिए टीम गठित की पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना के आधार पर आठ अक्टूबर को शामली रेलवे स्टेशन के माल गोदाम टीन शेड के पास से विकास निवासी भगवानपुर नागल, थाना दोधट, बागपत को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से चोरी किया गया वीवी मोबाइल बरामद हुआ, जिसकी अनुमानित कीमत 20 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की बढोतरी की है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

रामलीला में नारद मोह का मंचन, दर्शक हुए भावविमोर



वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांथला। कैराना रोड स्थित रामलीला मैदान में श्रीरामलीला कमेटी मंडप पंचवटी रजि. की ओर से बुधवार देर शाम रामलीला मंचन का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि एमएलसी वीरेंद्र सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। अतिथियों ने भगवान गणेश, मां सरस्वती, भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया।एमएलसी वीरेंद्र

सिंह ने कहा कि भगवान श्रीराम ने सत्य, धर्म और न्याय की राह पर चलकर आदर्श स्थापित किए, जो आज भी समाज के लिए प्रेरणादायी हैं। रामलीला तभी सार्थक होगी, जब लोग प्रभु श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में उतारकर समाज में भाईचारा और समरसता बनाए रखने में योगदान दें। इससे बाद नारद मोह प्रसंग का मंचन किया गया। लीला में देवीर्ष नारद को कामदेव पर विजय प्राप्त करने के अहंकार हो जाता है। भगवान विष्णु नारद के अहंकार को दूर करने के

लिए अपनी माया रचते हैं और उन्हें बंदर का रूप प्रदान कर देते हैं। स्वयंवर में पहुंचने पर नारद को अपनी वास्तविकता का पता चलता है। बाद में भगवान विष्णु की लीला समझ आने पर नारद उनसे क्षमा मांगते हैं। प्रसंग के मंचन ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। इस दौरान रामकुमार सिंघल, लोकेश गोयल, रथाम कुमार सिंघल, प्रमोद शर्मा, राजीव जैन, राजीव गोयल, रोहित गुप्ता सहित कमेटी के पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।



85 पदकों के साथ डॉ. के. एन. मोदी ग्लोबल स्कूल का स्वर्णिम परचम, राष्ट्रीय हैंडबॉल में जीता स्वर्ण

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। चंदौली स्थित जे. एस. पब्लिक स्कूल, कासिमपुर में आयोजित सीबीएसई राष्ट्रीय हैंडबॉल चैम्पियनशिप प्रतियोगिता में देश के 30 से अधिक विद्यालयों ने प्रतिभाग किया। इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में डॉ. के. एन. मोदी ग्लोबल स्कूल की अंडर-14 बालिका हैंडबॉल टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अर्जित किया और विद्यालय एवं मोदीनगर का नाम गौरवान्वित किया।

राष्ट्रीय स्तर पर मिली इस शानदार उपलब्धि के बाद विद्यालय परिसर में विजेता खिलाड़ियों के सम्मान में भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया। विजेता खिलाड़ियों के अभिभावकों



को भी इस विशेष अवसर पर आमंत्रित किया गया।

विद्यालय परिवार ने खिलाड़ियों का माला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर गर्मजोशी से स्वागत किया। साथी विद्यार्थियों ने नृत्य प्रस्तुत कर अपनी खुशी व्यक्त की और विजेता

खिलाड़ियों का जोरदार अभिनंदन किया।

पूरे विद्यालय परिसर में उत्साह और उमंग का वातावरण रहा। विद्यालय के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष है क्योंकि इस सत्र में विद्यार्थियों ने हैंडबॉल, ताइक्वांडो,

बैडमिंटन, वॉलीबॉल, जूडो सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में अब तक 85 पदक अर्जित किए हैं। यह उपलब्धि विद्यार्थियों की प्रतिभा, कड़ी मेहनत, निरंतर अभ्यास तथा विद्यालय द्वारा खेल प्रतिभाओं को दिए जा रहे प्रोत्साहन का प्रमाण है। विद्यालय की

प्रधानाचार्या मिस पूजा शर्मा ने स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की।

संयुक्त उप-प्रधानाचार्या मिस रितु अग्रवाल ने भी खिलाड़ियों की शानदार सफलता पर उन्हें बधाई दी। इस शानदार सफलता में खेल विभागाध्यक्ष श्री सुभाष तेवतिया के कुशल नेतृत्व एवं निरंतर मार्गदर्शन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। स्वर्ण पदक विजेता टीम अब एसजीएफआई प्रतियोगिता में विद्यालय का प्रतिनिधित्व करेगी। विद्यालय परिवार ने खिलाड़ियों को आगामी प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे अपनी प्रतिभा, मेहनत और खेल भावना के साथ भविष्य में भी विद्यालय का गौरव बढ़ाते रहेंगे।

बाल संसद एवं मॉक पार्लियामेंट में डीएमपीएस की शानदार उपलब्धि

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। मानव रचना इंटरनेशनल स्कूल, फरीदाबाद द्वारा आयोजित बाल संसद एवं मॉक पार्लियामेंट कार्यक्रम में दयावती मोदी पब्लिक स्कूल, मोदीनगर के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। इस प्रतिष्ठित आयोजन में क्षेत्रीय स्तर पर 28 विद्यालयों के लगभग 1500 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इनमें से चयनित 104 प्रतिभागियों ने ऑटम चरण में प्रवेश किया। अंतिम चरण में दयावती मोदी पब्लिक स्कूल की छात्राओं प्रणया शर्मा (कक्षा 6) एवं आन्या चौधरी (कक्षा 7) ने विद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। 16 अक्टूबर को मानव रचना इंटरनेशनल स्कूल, फरीदाबाद द्वारा प्रतिभागियों के लिए अभ्यास सत्र आयोजित किया गया,



जबकि 7 अक्टूबर को दिल्ली विधान सभा में मॉक पार्लियामेंट का आयोजन किया गया। प्रणया शर्मा ने प्रधानमंत्री की भूमिका निभाते हुए अत्यंत आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं प्रभावशाली वक्तृत्व कौशल का परिचय दिया। उनके शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें दिल्ली विधान सभा के माननीय अध्यक्ष द्वारा 'सर्वश्रेष्ठ प्रधानमंत्री प्रस्कर्' से सम्मानित किया गया। यह विद्यालय के लिए एक प्रतिष्ठित एवं गौरवपूर्ण उपलब्धि रही। वहीं आन्या चौधरी ने भी प्रभावशाली भाषण प्रस्तुत किया तथा अपने

आत्मविश्वास, प्रभावी अभिव्यक्ति एवं प्रस्तुतीकरण कौशल के लिए सराहना प्राप्त की। विद्यालय के प्रधानाचार्य वी. के. राणा ने दोनों छात्राओं को उनकी शानदार उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी। उन्होंने सुश्री श्वेता त्यागी एवं सुश्री छवि के मार्गदर्शन एवं अथक प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के मंच विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, वक्तृत्व कौशल एवं लोकतांत्रिक मूल्यों को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

34 वी उत्तर प्रदेश मास्टर्स एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2026 का आयोजन लखनऊ में



अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। जिला मास्टर एथलीट के अध्यक्ष अजय प्रमुख और सेक्रेटरी लखी राम चौधरी ने बताया कि 34वीं उत्तर प्रदेश मास्टर्स एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2026 का आयोजन लखनऊ में होगा।

31 अक्टूबर से 01 नवंबर 2026 को लखनऊ यूनिवर्सिटी के कैम्पस में टैक एंड फील्ड पर होगी। इस इवेंट में भाग लेने के लिए एन्ट्री फीस 500/- निर्धारित की गई है।

12 अक्टूबर 2026 तक एन्ट्री फार्म और ₹500/- की जमा की गई रशीद जिला मास्टर्स एथलेटिक्स एसोसिएशन गाजियाबाद सचिव के पास जमा कर दे, एक खिलाड़ी 3 इवेंट्स में भाग ले सकता है जिला गाजियाबाद के जितने भी एथलीट्स (खिलाड़ी) भाग लेंगे उन सभी को मास्टर एथलीट एसोसिएशन के सीनियर सह सचिव निशांत चौधरी सभी को टी-शर्ट प्रदान करेंगे। उत्तर प्रदेश से जीतने वाले सभी खिलाड़ी नेशनल में प्रतिभाग करेंगे।

मोदी कॉलेज का छात्र कला उत्सव मंडल स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित कला उत्सव की मंडल स्तरीय प्रतियोगिता में डॉ. के.एन. मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर गाजियाबाद के कक्षा 11 के छात्र कृष्णा वर्मा ने कला शिक्षिका श्रीमती वर्षा रानी व रेखा रानी के निर्देशन में पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय एवं जनपद का नाम रोशन किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर कृष्णा वर्मा का चयन कला उत्सव की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है।

यह प्रतियोगिता आगामी सप्ताह में लखनऊ में आयोजित होगी। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल ने बताया कि यह छात्र



पिछले वर्ष भी युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित कला उत्सव प्रतियोगिता में प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया था प्रधानाचार्य ने दोनों शिक्षिकाओं के प्रयास व परिश्रम की सराहना की।

उनकी इस उपलब्धि पर डॉ. के.एन. मोदी फाउंडेशन के चेयरपर्सन

का भारत विषय पर आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता में जनपद में प्रथम स्थान प्राप्त किया था प्रधानाचार्य ने दोनों शिक्षिकाओं के प्रयास व परिश्रम की सराहना की।

उनकी इस उपलब्धि पर डॉ. के.एन. मोदी फाउंडेशन के चेयरपर्सन

और डॉ. के.एन. मोदी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रोफेसर (डॉ.) डीके मोदी जी तथा प्रबंध समिति के अन्य सभी सदस्यों और शिक्षकों एवं परिजनों ने खुशी जताते हुए उन्हें आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं।

माकिम मोर्चा ने किया कार्मिक अनशन शुरू, जल्द की जाएगी बड़ी महापंचायत

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। भारतीय किसान मजदूर मोर्चा के बैनर तले डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के सामने चल रहा आंदोलन पांचवें दिन भी जारी रहा आज धरने की अध्यक्षता महावीर भड़ाना ने व संचालन तिलकराज अधाना ने किया आज कार्मिक अनशन पर रामपाल नेताजी परशुराम पायल टीकम, अनुज शर्मा वीपी सिंह बैठे। आज धरने को संबोधित करने वालों में मुख्य रूप से डॉ. बबली गुर्जर स्वतंत्र शर्मा नीरज प्रजापति कृष्ण रुहेला जयसिंह कनलेश चौधरी विकल प्रधान सचिन धरने के तैयारी, शांति देवी विपिन ज़िंदल, तरुण जाटव, राम किशन शर्मा, वीर सिंह जगपाल सिंह आदि ने संबोधित किया सभी वक्ताओं ने जनप्रतिनिधि



और प्रशासनिक अधिकारियों को चेताते हुए संयुक्त रूप से कहा कि चार दिन आंदोलन को चलते हुए हो गया, लेकिन किसी भी प्रशासनिक अधिकारी ने आंदोलन की सुध नहीं ली है। मोर्चे के अध्यक्ष किसान नेता डॉ. बबली गुर्जर व युवा विंग के अध्यक्ष सतेन्द्र शर्मा ने संयुक्त रूप से कहा कि जल्द ही सभी मुद्दों को लेकर जल्द ही एक बड़ी महापंचायत का आयोजन किया जाएगा। जिसकी

तारीख की घोषणा दो दिन बाद कर दी जाएगी। आज धरने पर मुख्य रूप से बलबीर भड़ाना, जगमाल, मास्टर टीकम सिंह जॉनी फफराना चौधरी जगपाल लोकेश मंडार, राहुल कलछीना अनिल जोशी विजयपाल शर्मा सत्यपाल बैसला वीरेंद्र यादव फूल सिंह सूरजपाल, हेमैंद्र कुमार सुबोध जैन बबलू प्रधान आदि सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

पूर्व ब्लॉक प्रमुख विपिन कुमार चौधरी एवं पूर्व विधायक राजपाल सिंह ने किया जनसंवाद



अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। ग्राम पलौता में पूर्व ब्लॉक प्रमुख विपिन कुमार चौधरी एवं पूर्व विधायक राजपाल सिंह ने ग्रामीणों के साथ जनसंवाद किया। इस दौरान पूर्व ब्लॉक प्रमुख विपिन कुमार चौधरी ने क्षेत्र एवं गांव की विभिन्न समस्याओं को लेकर ग्रामीणों से बातचीत की और उनकी समस्याओं एवं सुझावों को सुना। जनसंवाद के दौरान ग्रामीणों ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सर्वसम्मति से पूर्व ब्लॉक प्रमुख विपिन कुमार चौधरी के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। पूर्व ब्लॉक प्रमुख विपिन कुमार चौधरी ने भारतीय

जनता पार्टी की सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों एवं उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए क्षेत्र में आगामी समय में विकास कार्यों को आगे बढ़ाने और ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान के लिए कार्य करने का संकल्प ग्रामीणों के समक्ष रखा। इस अवसर पर पूर्व विधायक राजपाल सिंह ने ग्रामीणों का मार्गदर्शन करते हुए क्षेत्र के विकास और आगामी विधानसभा चुनाव में उचित प्रत्याशी के चयन को लेकर अपने विचार रखे। इस अवसर पर हरिराज प्रधान, श्रीचन्द प्रधान, सतीश प्रधान, डॉ. अरुण बैसला, सुंदर बैसला सहित अन्य गणमान्य लोग एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

कृष्ण-सुदामा मिलन ने छलकाए दर्शकों के आंसू, सुदामा के अभिनय की खूब सराहना



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। श्री रामलीला समिति राजनगर की ओर से आयोजित रामलीला मंचन में पूजन एवं अरती के बाद श्रीकृष्ण-सुदामा प्रसंग का भावपूर्ण मंचन किया गया।

कृष्ण और सुदामा की बाल्यकालीन मित्रता से लेकर द्वारका में पुनर्मिलन तक के दृश्यों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। संदीपन ऋषि के आश्रम में शिक्षा ग्रहण करने,



जंगल से लकड़ी लाने और सुदामा द्वारा चने खाने के प्रसंग को भी प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। शिक्षा पूरी

होने के बाद दोनों मित्रों का बिछड़ना और गरीबी से जूझ रहे सुदामा का पत्नी के आग्रह पर कृष्ण से मिलने

द्वारका पहुंचना दर्शकों को भावुक कर गया। कृष्ण द्वारा अपने बाल सखा सुदामा के पैर धोने और प्रेमपूर्वक उनके चावल खाने का दृश्य विशेष आकर्षण रहा। सुदामा की भूमिका निभाने वाले कलाकार अभिषेक के अभिनय की जमकर सराहना हुई।

इस अवसर पर समिति के संरक्षक जितेंद्र यादव, अध्यक्ष जय कुमार गुप्ता, महामंत्री दीपक मित्तल सहित अनेक पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

रुहेला राजपूत समाज ने भारतीय किसान मजदूर मोर्चा के धरने को दिया पूर्ण समर्थन

अनिल वशिष्ठ



मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। क्षेत्रीय विकास, किसानों-मजदूरों एवं आम नागरिकों की जनसमस्याओं के समाधान की मांग को लेकर भारतीय किसान मजदूर मोर्चा द्वारा चलाए जा रहे अनिश्चितकालीन धरने को अखिल भारतीय रुहेला क्षत्रिय महासभा ने पूर्ण समर्थन दिया है। महासभा के प्रदेश अध्यक्ष एवं समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यकारी सदस्य कृष्ण रुहेला के नेतृत्व में रुहेला राजपूत समाज के प्रतिनिधिमंडल ने धरनास्थल पर पहुंचकर समर्थन पत्र सौंपा। इस अवसर पर कृष्णा रुहेला ने कहा कि बबली गुर्जर एवं सतेन्द्र शर्मा के नेतृत्व में भारतीय किसान मजदूर मोर्चा द्वारा उठाई जा रही

रूप से हर्ष रुहेला, मनोज रुहेला, एडवोकेट गौरव रुहेला, विपिन रुहेला, अमित रुहेला, हेमंत रुहेला, राजत रुहेला, अक्ष रुहेला, अजय रुहेला एवं पार्थ रुहेला सहित रुहेला राजपूत समाज के अनेक लोग उपस्थित रहे।

राम जन्म पर गुंजा शहर, 'जय श्रीराम' के जयघोष से भक्तिमय हुआ माहौल



वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। श्री सुल्लामल रामलीला कमेटी घंटाघर के मंच पर गुरुवार को भगवान श्रीराम जन्म, माता सीता जन्म और प्रभु श्रीराम की बाल लीलाओं का मनोहारी मंचन किया गया। जैसे ही अयोध्या में भगवान श्रीराम के जन्म का दृश्य मंच पर आया, पूरा रामलीला मैदान 'जय श्रीराम' के जयघोष से गुंज उठा। श्रद्धालु भक्ति में डूब गए और वातावरण पूरी तरह राममय हो गया। रामलीला में राजा दशरथ के यहां भगवान श्रीराम सहित चारों भाइयों के जन्म का दृश्य आकर्षण का केंद्र रहा। वहीं जनकपुर में माता सीता के प्राकट्य का प्रसंग भी श्रद्धा और भक्ति के साथ

प्रस्तुत किया गया। इसके बाद बाल स्वरूप में श्रीराम और उनके भाइयों की बाल लीलाओं तथा शिक्षा ग्रहण करने के प्रसंग का मंचन किया गया। कलाकारों की प्रभावी प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बड़ी संख्या में श्रद्धालु और क्षेत्रवासी रामलीला देखने पहुंचे। रामलीला कमेटी की ओर से बताया गया कि 12 अक्टूबर को नवयुग मार्केट में सीता विवाह का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में राजा जनक की भूमिका हरविंदर गांधी निभाएंगे, जबकि सीता जी के भाई की भूमिका में विधायक संजीव शर्मा, भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, पापेंद्र राजीव शर्मा सहित अन्य प्रमुख लोग शामिल रहेंगे।

